पाठ 4. एक बूँद

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में समस्या के समाधान की क्षमता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता विकसित कर सकें। जीवन हमसे साहस पूर्ण कदम उठाने की माँग करता है। यदि हम किसी भी काम को शुरू करने से पहले अपने मन को आशंकाओं से भर लेते हैं तो फिर किसी बड़े लक्ष्य को पाने की संभावना स्वत: क्षीण हो जाती है। एक बूँद जो मोती बनकर सुख का अनुभव प्राप्त करती है, वह अगर अपने बादल रूपी घर में ही बंद रहती तो उसकी उपलब्धियाँ शून्य में बदल जातीं।

पाठ का सार

बादल से निकलकर वर्षा की एक बूँद सोच-विचार करते हुए आगे बढ़ती है। उसे पता नहीं है कि उसके भाग्य में क्या लिखा है या उसके साथ क्या होगा। आशंकाओं से घिरी बूँद को हवा के एक झोंके ने ऐसा उड़ाया कि वह सागर में सीप के खुले मुँह में गिर पड़ी और मोती बन गई। अंत में, कवि ने घर छोड़कर बाहर निकलने वालों की तुलना भी इसी बूँद से की है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कविता को एक से अधिक बार, अलग-अलग समय में अध्यापक द्वारा स्वयं पढ़ा-सोचा जाना कविता में छिपी शक्तियों को समझने का अवसर प्रदान करता है। बच्चों से कविता का मुखर, एकल व सामूहिक वाचन कराएँ। साथ ही, उनके साथ बारिश के मौसम के बारे में चर्चा करें।

  उचित बलाघात, लय, स्वर व अर्थ-गांभीर्य के साथ कविता का वाचन हो। बीच-बीच में शब्दों के अर्थ पूछते-बताते जाएँ। अंत में कविता के द्वारा संपादित संकल्प को जीवन तक ले जाने की आवश्यकता बताएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 3** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य व्याकरण एवं रचना पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - शब्दों के सही उत्तर कविता के संदर्भ में देने को कहें।
  - निश्चयवाचक और अनिश्चयवाचक सर्वनाम की परिभाषा समझाते हुए उनमें अंतर बताएँ। इसके लिए कुछ उदाहरणों का सहारा लिया जा सकता है।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - अधिक से अधिक बच्चों को अपने संस्मरण सुनाने का अवसर दें। वे एक-दूसरे के अच्छे अनुभवों से प्रेरणा लें और बुरे अनुभवों से सबक लें, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए।